

छिनिव इं जे ज्ञानान दें ने थन्ते ने थवलू है।। गेवचन परंग्रवं उ वच्च गेभडी भ्यभ थीडसुरंथसूनरं धस्मा भूग धेउभ **पविड्याभ**न्द उत्रथाभसुम

यभनं विसु उधेम वाभूमवंशिव्ध्यभ विभ्रतिम्मग्रभउ वर्षे वर्षे वस्त्र हभा मसेमरेदिष्ट्रिसिंद प्य स्मीनन्य ह ग्रुप्रस्थात्म उस्र वन्यस्क भडमा

नारायलेनिराक्रां सवीर मने इभभा रिभिद्र गन स्म उंवज्ञन क ज कभ 3 गणवंगभगम् स ग्वूणवित्रभयो गरणीयने अनुगन उंरहरभु र हा मु

भगतिभागवंभन्न भज्ञसभिक्षा भक्तक सभज का उंग्रमप्रभाग क्सवेकभलाक्ट्र क्रभनं के सुरिय क्मेमकी गरंड धुं डे वह क्यव उक्त

**कुण्डे**वन नर् इडिम्इडन्यक हरानेक्ड रण्डम उवज्ञ ठवन'मनभा रान्ध्रन्याच्य रणग्रु मुविनमन रभम्य द्वार्थिक धन्त्र एन्नम यिनभा

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

मार्णिकान्य मायाभन्तभद्भाभ मरमाग्डिमवड वन्रमञ्थालिकभ भ्यः करं स्यिन ह म्रीणं मीवग्रमभ म्रीवञ्जलम् लभा उंबद्ध भ्रम्

येगीसुरंश्गवण्य यमेयन्त्रमयक यभुरुरानकूलेल उवचय यह न जनभ भानिशुभिनामुह सक्षम् ग्रायमा भगभरःभगभाग वज्ञभाष्ट्रकल्डभ

CC-0. Courtesy Sanjay Rama, Jammu. Digitized by eGangotri

**इिविज्ञ्मेड्ये**अडिं ३िविण**भविन**सन **डिश्रुलंडी** डिगरलंडी उंवज्ञ उलभी भ्रियभा नीन्य एउड्र हर नेक्के मिक्व विज लेक्स्र लेक्ट्र क

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitle by eGangotri

मनजभारिक्र्यंग यमुबंग वर भूमभ उन्द्रेमभयन्त्र उ वन्रहणनामनभा दिरामदिर के म दिरामंदिरिय दन्युग्रगंबर उवर निम्माध्य

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri